लीडर वही जो जरूरी होने पर ही बदलाव करे

आईआईएम में सर्टिफिकेट डिस्ट्रीब्यूशन प्रोग्राम

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ◆ लीडर के दिमाग में सारी बातें चलती रहती है। उसे पता होता है कि कौन क्या कर रहा है। सही मायने में लीडर वही है जो बहुत जरूरी होने पर ही कोई बदलाव करे। यह इसलिए जरूरी है कि ताकि चीजें स्टेबल रहें। प्रोडक्शन में फर्कन पड़े। यह कहना था आईआईएम रायपुर के डायरेक्टर प्रो भारत भास्कर का।

वे ई-लर्निंग एग्जीक्यूटिव सर्टिफिकेट प्रोग्राम के छात्रों को संबोधित कर रहे थे। संस्थान ने 41 छात्रों को लीडरशिप और चेंज मैनेजमेंट में एग्जीक्यूटिव सर्टिफिकेट दिए। सभी छात्र नामी कंपनियों से आए थे। दो दिवसीय कैंपस विजिट का आयोजन किया गया था। यात्रा के दौरान छात्रों ने अपनी प्लानिंग बताई और आईआईटी कैंम्पस में प्रोग्राम डायरेक्टर डॉ अनुभा दाधीच से एक्सपीरियंस लिया।

युधिष्ठिर के नेतृत्त्व से सीखें

प्रो संजीव प्रशर ने महाभारत से युधिष्ठर की नेतृत्व शैली के बारे में उदाहरण देते हुए छात्रों को संबोधित किया। महाभारत को एक अलग तरीके से दिखाया और एक लीडर के आदर्श व्यव्हार के बारे में बताया।

प्लग और प्ले की समझ होनी चाहिए

प्रो भास्कर ने छात्रों को संगठनात्मक परिवर्तन में लीडर्स की भूमिका की जानकारी देते हुए कहा कि एक प्रबंधक वह है जो मौजूदा नियमों को प्लग और प्ले करना जानता है। हमारे यहां से आप लीडरशिप का पाठ सीखें ही नहीं बल्कि उसे समय पर अमल भी करें। विशेष रूप से तब जब चीजों को सीमाओं से परे आगे बढ़ाने की योजना हो।

Patrika, 29th Aug. 2019,p.14.jpg